India through A Traveller's Eyes Summary in Hindi

पेरल एस बक बताते हैं कि मैंने भारत की यात्रा करके अपने आँखों से देखा है कि भारत का कोई ना कोई भाग पीछे के तरफ झुका रहा है । क्योंकि भारत की भूमि प्राचीनकाल से बुद्ध की भूमि कही जाती है भारतीय का जीवन भिन्न-भिन्न प्रकार के है । कहीं स्वर्ग के समान है तो कहीं नर्क के समान है ।

जैसे भारत में ही कश्मीर को भारत भारत का स्वर्ग कहा जाता है । भारत के लोगों का चेहरा प्यारा और सुन्दर होता है । भारत के इतिहास में आज भी कई दर्शनीय स्थानों का वर्णन मिलता है । जो विश्व में इस तरह का स्थल देखने को नहीं मिलता जहाँ विश्वभर के लोग आकर उस स्थान का दर्शन करते हैं और उस प्राकृतिक दृश्य को देखकर प्रसन्न हो जाते हैं। जैसे भारत का ताजमहल यह विश्व का सबसे बड़ा भवन है जिसे देखने के लिए विश्व भर से लोग आगरा में आते हैं और पूर्णिमा के दिन ताजमहल को देखकर प्रसन्न हो जाते हैं। क्योंकि पूर्णिमा के दिन ताजमहल का पूर्ण दृश्य दिखाई देता है उसी तरह से दक्षिण में कन्याकुमारी जहाँ सागरों का संगम है, पूर्णिमा के दिन वहाँ भी विदेशियों की काफी भीड़ होती है क्योंकि पूर्णिमा के दिन एक सागर से पूर्ण रूप से निकलते हुए चन्द्रमा और वही दूसरे सागर में पूर्ण रूप से डूबते हुए सुरज दिखाई देता है । इसलिए इतिहास बतलाता है कि भारत में कुछ ऐसे स्थान हैं जो विश्व में इस तरह के स्थान देखने को नहीं मिलता है । कवि बतलाता है कि मैंने भारत के गाँवों का दर्शन अपनी आँखों से किया मैंने देखा कि भारत के गाँव वाले किसान होते हैं । वे कृषि पर ही अपना जीवन निर्भर करते हैं । यानी की भारतीय किसान बिल्कुल चीन के किसानों के तरह से होते हैं वे अधिक फसल उपजाने के लिए अपने खेतों में काफी मेहनत करते हैं और अधिक फसल उपजा कर अपनी मातृभूमि की सेवा करते हैं ।